सीएसए के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों हेतु खेती बाड़ी में जनवरी माह के कृषि कार्य हेतु जारी की एडवाइजरी

शाहिद शेख सिद्दीकी

कानपुर(विशाल प्रदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ0 डी0आर0 सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों हेतु खेती बाड़ी में जनवरी माह के कृषि कार्य हेतु एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि देर से बोए गए गेहूं में सिंचाई 17 से 18 दिन बाद किसान भाई अवश्य कर दे बाद की सिंचाई भी 15 से 20 दिन के अंतराल पर करते रहना चाहिए डॉक्टर खान ने बताया कि इस समय गेहूं की फसल में चूहों का अधिक प्रकोप होता है जिससे फसल नष्ट हो जाती है चूहों की नियंत्रण हेतु जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्यूमिनियम फास्फाइड से बने चारे का प्रयोग करें इसके अतिरिक्त रवि दलहनी फसलों में पहली सिंचाई के बाद

निराई गुड़ाई अवश्य करें उन्होंने आलू में जनवरी के तीसरे सप्ताह तक हर हालत में पौधों के ऊपरी भाग डंठल को काट दें उसके बाद आलू को 20 से 25 दिन तक जमीन के अंदर ही पड़े रहने दें ऐसा करने से आलू का छिलका मजबूत हो जाता है और खराब नहीं होगा उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वह खेती बाड़ी में समसामयिक कार्य करते रहें जिससे फसल उत्पादन अच्छा होगा

अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्त अभियान के प्रमुख योग गुरु ज्योति बाबा की मां का देहावसान

नासिर आजाद

कानपुर (विशाल प्रदेश)अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है की अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख ज्योति बाबा की मां रामा देवी का निधन आज सवेरे 17 जनवरी को एक नर्सिंग होम में हो गया है ज्योति बाबा ने जिस तरह एक श्रवण कुमार बनकर

UPHIN 49216/D.No. 124 AJA-2/2020

सच की गंगा

समाज के सच का प्रवाह

साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष 1 अंक 15 | कानपुर, 11 जनवरी-17 जनवरी 2021 | पृष्ठ 8 | मूल्य 3 रुपया

कानपुर। सीएसए के राष्ट्रीय सेवा योजना गृह विज्ञान इकाई के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण विषय पर अतिरिक्त नैतिक व्याख्यान(एक्स्ट्रा मोरल लेक्चर) आयोजित किए गए। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ बिंदु सिंह, सामाजिक सेविका एवं प्रांतीय संयोजक शिक्षा -संस्कृति -उत्थान- न्यास ने संबोधित करते हुए कहा कि यदि चरित्र का निर्माण किया गया है। तो व्यक्ति का विकास स्वयं ही हो जाता है। उन्होंने कहा कि पंचतत्व हमारे शरीर को सीधे-सीधे प्रभावित करते हैं। उन्होंने बताया कि छात्राओं का पांच स उत्थान करेंगे। जैसे सेवा, साधना, स्वाध्याय,समर्पण एवं सत्संग। उन्होंने छात्राओं से आवाहन किया है कि आप लोग ग्रुप बनाकर लोगों के बीच में जाएं उन्हें संतुलित आहार की जानकारी दें तथा फास्ट फूड की बुराइयों से भी अवगत कराएं। साथ ही साथ उन्होंने वादा किया है कि यदि किसी छात्रा को काउंसलिंग की आवश्यकता होगी तो वह अवश्य उपलब्ध रहेंगी। अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन ने आए हुए सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया तथा कहा कि खुशी की अभिव्यक्ति चाहने से होती है जबकि आनंद महसूस सुखद है।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ रश्मि सिंह ने किया। जबकि धन्यवाद डॉक्टर संजीव सचान ने किया। इस अवसर पर डॉ आर पी सिंह, डॉक्टर आनंद श्रीवास्तव, डॉक्टर खलील खान सहित लगभग 80 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

गेहूं की फसल को चूहों से ज्यादा रहता खतरा

कानपुर। सीएसए के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को जानकारी दी है कि देर से बोए गए गेहूं में सिंचाई 17 से 18 दिन बाद जरूर करनी चाहिए। सिंचाई भी 15 से 20 दिन के अंतराल पर करते रहना चाहिए। वर्तमान में गेहूं की फसल में चूहों का अधिक प्रकोप होता है। इसलिए जिंक फास्फाइड से बने चारे का प्रयोग करें।

हिन्दी दैनिक

R.N.I.No-UPHIN/2012/42725

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर से प्रकाशित

● वर्ष : 9 ● अंक 257 ● कानपुर सोमवार 18 जनवरी , 2021 - पृष्ठ: 8 - मूल्य: 1.00 रु.

सीएसए के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों हेतु खेती बाड़ी में जनवरी माह के कृषि कार्य हेतु जारी की एडवाइजरी

कानपुर–चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ0 डी0आर0 सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों हेतु खेती बाड़ी में जनवरी माह के कृषि कार्य हेतु एडवाइजरी जारी की है उन्होंने बताया कि देर से बोए गए गेहूं में सिंचाई 17 से 18 दिन बाद किसान भाई अवश्य कर दे बाद की सिंचाई भी 15 से 20 दिन के अंतराल पर करते रहना चाहिए डॉक्टर खान ने बताया कि इस समय गेहूं की फसल में चूहों का अधिक प्रकोप होता है जिससे फसल नष्ट हो जाती है चूहों की नियंत्रण हेतु जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्यूमिनियम फास्फाइड से बने चारे का प्रयोग करें इसके अतिरिक्त रवि दलहनी फसलों में पहली सिंचाई के बाद निराई गुड़ाई अवश्य करें उन्होंने आलू में जनवरी के तीसरे सप्ताह तक हर हालत में पौधों के ऊपरी भाग डंठल को काट दें उसके बाद आलू को 20 से 25 दिन तक जमीन के अंदर ही पड़े रहने दें ऐसा करने से आलू का छिलका मजबूत हो जाता है और खराब नहीं होगा उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि वह खेती बाड़ी में समसामयिक कार्य करते रहें जिससे फसल उत्पादन अच्छा होगा

आज
कानपुर
18 जनवरी, 2021
11

देर से बोए गए गेहूं की 17-18 दिन में करें सिंचाई

कानपुर, 17 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डी. आर सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने कृषकों को खेती बाड़ी में जनवरी माह के कृषि कार्य हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि देर से बोए गए गेहूं में सिंचाई 17 से 18 दिन बाद किसान भाई अवश्य कर दें। बाद की सिंचाई भी 15 से 20 दिन के अंतराल पर करते रहना चाहिए। वैज्ञानिक डा. खलील खान ने बताया कि इस समय गेहूं की फसल में चूहों का अधिक प्रकोप होता है जिससे फसल नष्ट हो जाती है चूहों की नियंत्रण हेतु जिंक फास्फाइड से बने चारे अथवा एल्यूमिनियम फास्फाइड से बने चारे का प्रयोग करें। इसके अतिरिक्त रवि दलहनी फसलों में पहली सिंचाई के बाद निराई गुड़ाई अवश्य करें। उन्होंने आलू में जनवरी के तीसरे सप्ताह तक हर हालत में पौधों के ऊपरी भाग डंठल को काट दें उसके बाद आलू को 20 से 25 दिन तक ज़मीन के अंदर ही पड़े रहने दें। ऐसा करने से आलू का छिलका मजबूत हो जाता है और खराब नहीं होगा।

हिन्दुस्तान

सीएसए एक गांव को बनाएगा आत्मनिर्भर

कानपुर। आईआईटी के बाद अब चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) भी एक गांव मोहम्मदपुर को आत्मनिर्भर बनाएगा। विवि का उद्देश्य गांव में जैविक खेती को विकसित करना है। महिलाओं को प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना है। विवि के एनएसएस छात्र-छात्राओं ने आर्थिक सर्वेक्षणं शुरू किया है। विवि मोहम्मदपुर को प्रदेश का दूसरा जैविक गांव बनाने की तैयारी कर रहा है।